दिल्ली में नये स्कूल

१७४२. **श्री युद्धवीर सिंह चौधरी :** क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) दिल्ली में वर्तमान शिक्षा संस्थाओं की कमी को अनुभव करते हुये क्या सरकार यहां कुछ नये विद्यालय खोलने या वर्तमान विद्यालयों की दोहरी पाली चलाने का विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो उसका पूरा ब्योरा क्या है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क) जी हां, दोनों ही : ।

(ख) ६ नये उच्चतर माध्यमिक स्कूल खोलने का विचार है, जिनमें से ५ स्कूल दूसरी पारी में होंगे । एक माध्यमिक स्कूल को उच्चतर माध्यमिक स्कूल में बदलने का भी विचार है ।

हिन्दी का प्रचार

१७४३. **श्री युद्धवीर सिंह चौधरी :** क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हिन्दी के प्रचार को अधिक गति देने के लिये किसी योजना पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो उसका स्वरूप क्या है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क) और (ख) : केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हिन्दी के प्रचार को बढ़ाने की कोई विशेष योजना नहीं है फिर भी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षा के माध्यम के रूप में हिन्दी को सरलता से अपनाने के लिये सरकार ने "विश्वविद्यालय स्तर की हिन्दी तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं में प्रामाणिक रचनायें तैयार और प्रकाशित करने" की एक योजना आरंभ की है । दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी को आधार मानकर अनुवादों के लिये एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया गया है । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग भी भारतीय विश्वविद्यालयों और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हिन्दी के अनुसंधान और प्रशिक्षण की प्रगति में सक्रिय रुचि ले रहा है । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हिन्दी की विशिष्ट प्रायोजनाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को निम्नांकित सहायता दी है :—

१. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

(क) १,४५,०००.०० रु० की अनुमानित लागत से ऐतिहासिक व्याकरण के निर्माण की योजना के लिये आयोग ने अभी तक १५,०००.०० रु० दिए हैं ।

(ख) हिन्दी प्राध्यापकों के दो नए स्थान और शैक्षणिक सहायता सम्बन्धी साधनों के लिये १५,०००.०० की राशि ।

२. दिल्ली विश्वविद्यालय

(क) हिन्दी रीडर के लिये दो नए स्थान ।

(ख) हिन्दी न जानने वाले विदेशी और भारतीय छात्रों के लिये एक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का प्रारंभ । इस पर ६,४०० रु० (आवर्ती) प्रतिवर्ष और १,५०० रुपये (अनावर्ती) खर्च होगा ।

३. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय

(क) हिन्दी प्राध्यापकों के लिये दो नए स्थान ।

(ख) भारतीय भाषाओं और हिन्दी की पुस्तकों के लिये १५,००० रुपये की स्वीकृति ।